आईआईटी इंदौर में एडमिशन लेने वाले हर स्टूडेंट को लगाना होगा एक पौधा, पूरे कोर्स के दौरान उसकी देखभाल भी करना होगी

कैम्पस में अब तक लगाए जा चुके हैं सात हज़ार से ज्यादा पौधे, सीवेज प्लांट के रीसायकल्ड वॉटर से करते हैं इनकी सिंचाई, संस्थान में इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का इस्तेमाल भी किया जा रहा

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

पर्यावरण संरक्षण के लिए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर ने एक नया इनीशिएटिव लिया है। इस सत्र से आईआईटी में एडमिशन लेने वाले हर स्टूडेंट्स को न सिर्फ एक पौधा लगाना होगा बल्कि अपनी पूरी पढ़ाई के दौरान उसकी देखभाल भी करना होगी। विश्व पर्यावरण दिवस पर कैम्पस में चलाए गए प्लांटेशन ड्राइव हुआ जिसमें स्टूडेंट्स, स्टाफ मेम्बर्स, फैकल्टी और डायरेक्टर ने भी इसमें हिस्सा लिया।

अब तक रोपे 30 प्रजातियों के तकरीबन सात हज़ार से ज्यादा पौधे

आईआईटी से मिली अधिकारिक जानकारी के मुताबिक - पर्यावरण संरक्षण के लिए आईआईटी वॉटर कंज़र्वेशन और प्लांटेशन पर सबसे ज्यादा ध्यान दे रहा है। इन्हें संस्थान के मास्टर प्लान में भी शामिल किया गया है। यूनाइटेड नेशंस के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल को पूरा करने के उद्देश्य से आईआईटी इंदौर कम्यूनिटी प्लांटेशन ड्राइव चलाने जा रहा है। जुलाई 2019 में होने वाले ओरिएंटेशन प्रोग्राम में शामिल होने वाले हर स्टूडेंट को एक पौधा लगाना होगा। अपनी पूरी पढ़ाई के दौरान उस पेड़ की देखभाल करना भी उसी स्टूडेंट की ज़िम्मेदारी होगी। सिमरोल स्थित कैम्पस में शिफ्ट होने के बाद से आईआईटी में लगभग 30 प्रजातियों के सात हज़ार से ज्यादा पौधे लगाए जा चुके हैं। संस्थान में एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट भी चलाया जा रहा है। इससे रिसायकल किए गए पानी का उपयोग कैम्पस में लगे सात हज़ार से ज्यादा पेड़-पौधों की सिंचाई के लिए उपयोग में लाया जाता है। कैम्पस में ही सूखे पड़े पोखरों और छोटी झीलों की सफाई कर उन्हें पुनर्जीवित किया गया है।

पर्यावरण दिवस पर कैम्पस में किया गया पौधरोपण।

कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए काम करेंगे

कैम्पस को पर्यावरण हितैषी बनाने के लिए हम कई स्तर पर काम कर रहे हैं। संस्थान में रूफ टॉप सोलर सिस्टम के अलावा इलेक्ट्रिक व्हीकल्स का प्रयोग भी बड़े स्तर पर किया जा रहा है। प्लांटेशन ड्राइव और कैशलेस कैम्पस के ज़रिए भी हम पर्यावरण पर ध्यान दे रहे हैं। इसे बेहतर बनाए रखने के साथ कार्बन फुटप्रिंट कम करने के लिए भी हमें नए प्रयोग करते रहना होंगे।

प्रोफेसर प्रदीप माथुर, IIT इंदौर डायरेक्टर

Dainik Bhaskar (Indore), 6th June 2019, City Bhaskar, Page-15